सही बातें
जीत

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
जीत

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
जीत

किस्मत के रूठने पर
उसे मनाने का
एक ही तरीका है
और वो है मेहनत,
मेहनत से
किस्मत भी बदलती है
और
ज़िंदगी भी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

असत्य में
सुंदरता तो हो सकती है,
मगर
आनंद नहीं होता,
आनंद तो वहीं होता है
जहाँ सत्य होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आप पीड़ा को
अकेले संभाल सकते हैं,
मगर
खुशी को
अकेले संभालने की ताकत
आप में नहीं है ;
इसीलिये
खुशी को संभालने के लिये
कुछ मित्र अवश्य बनायें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

विपत्तियों में घबराइये मत,
विपत्तियाँ ही मनुष्य को
महान बनाती हैं ;
बुद्धि और पांडित्य
विपत्तियों में ही निखरते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

दूसरों को विपत्ति में डालने वाले
स्वयं को ताकतवर मानते हैं,
मगर
उनसे बड़ा निर्बल
दुनिया में कोई और नहीं होता ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

सिर्फ धन की वृद्धि
आपको दानव बनाती है
और
धन के साथ-साथ
धर्म की वृद्धि
आपको मानव बनाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

मुश्किलों के दिन
हमारी समता और क्षमता को
बढ़ाते हैं
और
मुश्किलों में ही
आपको अपनी शक्ति की
पहचान होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आपके द्वारा
उत्पन्न की गई विपत्ति
आपको निर्बल
और
आपके शत्रु को
दृढ़ बनाती है,
इसीलिये
विपत्ति सहना श्रेष्ठ है ;
किसी को विपत्ति में डालना
श्रेष्ठ नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

मुश्किलों में
मित्र,
धर्म
और
संबंधियों की परीक्षा होती है,
मुश्किलों में जो साथ दे
वो ही अपना है ;
जो धोखा दे
वो ही पराया है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

अगर आप कष्टों में
मुस्कुराते रहते हैं
तो कष्ट भी कष्ट में पड़ जाते हैं
और
अगर आप
रो देते हैं
तो कष्ट आप पर भारी पड़ जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आलस्य
पानी में लगी
शैवाल के समान होता है,
आलस्य
मनुष्य के गुणों को ढक लेता है
और
उसे आगे बढ़ने से रोक देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो लोग
स्वयं की सहायता करते हैं
दुनिया भी
उन्हीं की सहायता करती है,
सीढ़ियाँ भी
उन्हीं के लिये सहायक बनती हैं ;
जिन्हें ऊपर जाने की इच्छा हो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

डर, रोग और आलस्य,
ये तीन ऐसे शत्रु हैं
जो आपके ही अंदर रहते हैं
और
आपको कभी
सफल नहीं होने देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आलसी मनुष्यों से
हित की उम्मीदें करना
बेकार है,
जो कभी
अपना हित नहीं कर सका
वो भला
दूसरों का हित कैसे कर सकता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो अच्छे कामों को करने की
ताकत रखे,
परन्तु
उतना अच्छा काम न करे;
वह आलसी न होकर भी
आलसी ही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जब तक आप
सफल लोगों के अवगुण देखते रहेंगे,
तब तक आप
सफल नहीं हो पायेंगे,
सफल होने के लिये
अपने अवगुण
और
सफल लोगों के गुण देखिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो लोग स्वयं दोषी हों
उन्हें दूसरों पर
दोषारोपण नहीं करना चाहिये,
क्योंकि
जिनके घर की सीढ़ियाँ ही मैली हों
और वो
दूसरों की गंदी छत को देखें ;
तो लोग
उन पर ही हसते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो लोग
दूसरों की आलोचना करते हैं,
उनको अपनी जुबान पर
थोड़ा लगाम लगाना चाहिये;
क्योंकि
आलोचना करनेवालों की ही
आलोचना होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

अगर आपको
किसी भी चीज़ की
किसी भी व्यक्ति की आवश्यकता है,
तो आप अभी अधूरे हैं ;
आवश्यकतायें
आपके अधूरेपन की पहचान हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जीत की आशा
हर किसी को होती है,
परन्तु
जीतता वो ही है
जो आशा के साथ-साथ
जीत के लिये
भरपूर प्रयत्न भी करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जीवन को
संचालन करने वाली शक्ति
आशा है,
आशा आपके जीवन में
उत्साह बनाकर रखती है
और
आपको ऊपर भी ले जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आशा
एक स्त्री की तरह है,
अगर आप उसकी सेवा करेंगे तो
तो वो आपको दुत्कारेगी
और
अगर आप उससे
मुख फेर लेते हैं;
तो वो आपको सुख प्रदान करेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

इस दुनिया में
मरना कोई भी नहीं चाहता है,
पर
अच्छा जीवन जीना
हर कोई चाहता है,
ध्यान रखें-
अच्छे लोगों से जुड़ें
जिनका जीवन अच्छा नहीं है,
उन्हें जीने पर भी
मरा ही समझें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जिनके अंदर आसक्ति नहीं है
उन्हें इच्छित चीज़ें
सहज ही उपलब्ध होती हैं,
ज्यादा क्या कहें ?
वे लोगों को देखें या न देखें ;
पर
लोग उन्हें देखने के लिये
जरूर तरसते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आसक्ति
एक ऐसी बुराई है,
जो आपको
नीचे भी गिराती है
और
कमजोर भी बनाती है ;
जैसे आप जहर से बचते हैं
वैसे ही आसक्ति से भी बचें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

सामान्य लोग
इन्द्रियों के वश में होते हैं,
परन्तु
महान लोगों के वश में
इन्द्रियाँ होती हैं,
शायद इसीलिये
वे सामान्य रहने पर भी
महान ही हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

दूसरों को जीतने के लिये
अपनी सारी शक्ति को समेट लीजिये
और
खुद को जीतने के लिये
अपनी इन्द्रियों को समेट लीजिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो बुरे काम करते हैं
उनकी आलोचना
कुछ ही लोग करते हैं ;
जो अच्छे काम करते हैं,
उनकी आलोचना
हज़ारों लोग करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

ऊँचे उठने का उपाय
ईर्ष्या नहीं है,
ईर्ष्या तो
नीचे गिरने का उपाय है,
ऊँचे उठने का उपाय तो सम्मान देना है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

क्रोध के समय
विवेक पलायन कर जाता है,
क्योंकि
जहाँ दुर्जन लोगों का निवास हो
वहाँ से सज्जन लोग चले जाते हैं..

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

बड़े होने पर भी
जो बड़ों से ईर्ष्या न करे,
वो ही बड़ा इंसान है
उसमें ही बड़प्पन है;
ईर्ष्या तो
छोटे लोगों की निशानी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आपके दुःख का
सबसे बड़ा कारण
आपकी ही इच्छायें हैं,
इच्छायें नहीं होंगी
तो दुःख भी नहीं होंगे ;
सुखी होने के लिये
इच्छाओं को छोड़िये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

दुनिया का
सबसे कठिन काम है
अपनी इच्छाओं का त्याग करना,
जिसने अपनी
इच्छाओं का त्याग कर दिया
समझ लो
उसने दुनिया जीत ली...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

उत्साह शक्ति
हर किसी के पास नहीं होती,
दुनिया में
कुछ विरले भाग्यशाली ही
उत्साही होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें जीत

उत्साह
दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति है,
उत्साह वो चाबी है
जिससे आप
हर मुश्किल तालों को खोल सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

किसी भी काम को
छोटे स्तर से चालू करें,
सफल होने पर
उसे क्रमशः बढ़ाते जायें,
ऐसा करने से
आप हमेशा फायदे में रहेंगे
और
नुकसान आपसे बहुत दूर रहेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आप अपनी
रुचि के अनुरूप
किताबें पढ़ें
और
वैसे ही लोगों से मिलें,
ताकि आपकी रुचि को
नये-नये आयाम मिलते रहें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

क्रोधी,
आलसी
और
डरपोक लोगों की
उन्नति नहीं होती,
ये तीनों गुण नहीं दोष हैं
और
उन्नति गुणवानों की होती है
दोषियों की नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो लोग
गिरने से डरते हैं
वो लोग
कभी जीतते नहीं,
क्योंकि
जीतने वाले कभी डर के बारे में
सोचते ही नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

बुद्धि के विकास के लिये
न तो आराम जरूरी है
न ही व्यायाम,
बुद्धि के विकास के लिये
जरूरी है विशुद्धि ;
जैसे-जैसे विशुद्धि बढ़ेगी
वैसे-वैसे बुद्धि भी बढ़ेगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

ऊँचाइयों को पाने के लिये
दूसरों से सीख कर
खुद को समझाइये,
दूसरों को नहीं ;
क्योंकि
जो लोग स्वयं को समझाते हैं
वो लोग हमेशा ऊँचाइयाँ पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आपका स्वभाव
बहुत हद तक
आपके संस्कारों पर भी
निर्भर करता है,
मेरा मानना है
संस्कार बीज हैं
और
स्वभाव फल ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जिसने कभी
आपका उपकार किया हो,
उसके अपराधों को
याद नहीं करना चाहिये ;
अपितु
उसे माफ करना चाहिये
उपकारी के प्रति
यही आपका उपकार है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आपके झूठ बोलने से
यदि किसी का भला होता है,
तो वह झूठ भी
किसी सत्य से कम नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो किये गये उपकार की
याद दिलाता है,
उसे मुसीबतों में
दरवाज़ों को खटखटाना पड़ता है ;
लेकिन
जो उपकार करके भूल जाता है,
उनके लिये
दरवाज़े हमेशा खुले रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जब भी आप
किसी का उपकार करें,
तो प्रयास ये करें कि
उसे मालूम न चले ;
अगर
मालूम चल भी जाये
तो अनजान बन जायें,
यही सच्चे उपकारी का लक्षण है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो दूसरों का उपकार करे
वही है इंसान,
जो दूसरों का अपकार करे
वही है हैवान,
इंसान और हैवान की
इससे सरल परिभाषा
मुझे तो कहीं नहीं मिली ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो लोग
अकड़ का जीवन जीते हैं
वो लोग
पेड़ की तरह अकेले खड़े मिलते हैं,
परन्तु
जो लोग
नम्रता का जीवन जीते हैं
वो लोग
घास की तरह भीड़ से घिरे रहते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

एकान्त
एक ऐसी पाठशाला है
जो आपकी प्रतिभा को
निरन्तर निखारती है,
आप अपनी प्रतिभा को
जितना अभ्यास
और
एकान्त देंगे ;
वो उतना ही प्रखर होती जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

ज़्यादा बोलकर
आप अपनी शक्ति को
बिखेर देते हैं,
इसीलिये
कम बोलिये;
कम बोलने से
शक्ति भी बढ़ती है
और
एकाग्रता भी ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

खुद को कभी भी
हीन न समझें,
आप अपने बारे में
जैसा सोचते हैं ;
आपके जीवन में
घटनायें भी वैसी ही घटती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

अपनी योग्यता के ही अनुरूप
पद को आप स्वीकारें,
क्योंकि
अयोग्य पद को ग्रहण करने से
आपकी भी गरिमा गिरती है
और
उच्च पद की भी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जितना आप
व्यसनों से डरते हैं,
उतना ही
अहंकार से भी डरिये,
क्योंकि
दोनों में अंतर मात्र शब्दों का है
परिणाम तो दोनों का विनाश ही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

किसी भी वस्तु का भोग
पुण्य नहीं
पुण्य का दुरूपयोग है,
पुण्य तो
वस्तु के त्याग में है ;
उसे ग्रहण करना तो
पुण्य का भोग है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जैसे
सूर्य के ताप से
झुलसते हुये लोगों को
वृक्ष की छाँव
और
जल से
शीतलता मिलती है,
वैसे ही
आकुलित मन को
गुरु वचनों से ही
शीतलता मिलती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

कुछ लोग
स्त्रियों को हीन मानते हैं
और
उनका तिरस्कार करते हैं,
शायद वे भूल गये हैं
उनको और उनकी संतान को
जन्म देने वाली
कोई न कोई स्त्री ही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

अगर आप
कंजूस आदमी को
दुनिया की तमाम शौहरत भी दे देंगे,
तो भी वह
एक पाई भी खर्च नहीं करेगा ;
क्योंकि
कंजूसी उसकी रगों में होती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

सभी का
आदर करना चाहिये
किसी का भी
अनादर नहीं करना चाहिये,
आदर करने से
खुशियाँ बढ़ती हैं
और
अनादर करने से
दुःख बढ़ता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आपके अशुभ व्यवहार से
सामने वाले का दिल
या तो टूट जाता है,
या फिर हमेशा के लिये
सख्त हो जाता है ;
इसीलिये
अच्छे व्यवहार को
जीवन का अंग बनाइये ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

थकान को मिटाने के लिये
आराम कीजिये
और
शरीर को फुलाने के लिये
व्यायाम कीजिये,
जिन्हें पाना हो
परम-सुख ;
वो तो सिर्फ
आतम-राम का ध्यान कीजिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जैसे-जैसे आप पर
कठिनाइयाँ बढ़ती हैं,
वैसे-वैसे आपकी
अक्ल भी बढ़ती है ;
क्योंकि
सोना जितना तपता है
उतना ही निखरता भी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

मेहनत करने से
शारीरिक–बल बढ़ता है
और
मुश्किलें झेलने से
आत्मबल बढ़ता है,
इसीलिये
किसी अपेक्षा से
मुश्किलें भी जरूरी हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आप कुछ भी नया करेंगे,
तब मुश्किलों का आना तो
स्वाभाविक है,
मगर
थोड़ा समय दीजिये ;
जो काम प्रारम्भ में
मुश्किल लगता था,
वही बाद में सरल मालूम पड़ेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

कितना ही
कठोर हृदयी व्यक्ति हो,
पर
करुणा एक ऐसा नीर है ;
जो कठोर हृदयी को भी
नरम कर देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

कर्ज छोटा हो
या फिर बड़ा,
कर्ज आपको छोटा ही बनाता है ;
इसीलिये
बड़े लोगों को
कर्ज देना चाहिये,
कर्ज कभी नहीं लेना चाहिये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आपकी
शान और संबंध को घटाने का
सबसे सुंदर साधन है
कर्ज,
कर्ज के बढ़ते ही
आप अपने आपको
छोटा महसूस करने लगते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

कर्ज
एक ऐसी चीज है
जो इंसान को
इंसानियत भुला देता है,
इसीलिये
कभी भी बिना गवाही के
न तो कर्ज लें ;
न ही दें ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

कर्तव्य
कठोर होता है
और
वह लिया
अथवा
दिया नहीं जाता,
कर्तव्य का तो
निर्वाह किया जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

अकसर आप
फल की इच्छा से
काम करते हैं,
इसीलिये
असफल
और
दुःखी रहते हैं ;
काम तो निरन्तर करें
पर
फल की इच्छा कभी न करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जो पूर्ण मनोयोग से
अपने काम को अंजाम देते हैं,
वो लोग दुनिया के मन में
एक ऐसी छाप छोड़ जाते हैं
जो कभी मिटती नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

कर्मोदय कुछ और नहीं
आपकी करतूती को
दिखाने वाला आइना है,
जब आपको सुख मिले
तो समझिये
कुछ अच्छा किया था ;
जब दुःख मिले
तो समझिये
कुछ बुरा किया था...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें जीत

जैसे
आपके विचार होते हैं
आप वैसा ही कर्म करते हैं,
अच्छे कर्मों के लिये
अच्छी विचारधारा
बहुत आवश्यक है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

दुनिया में कुछ लोग
बुरा करके भी
अच्छे फल को प्राप्त करते हैं,
वास्तविकता में
पूर्व के अच्छे कामों के कारण
आज अच्छा हो रहा है
और
आज के बुरे कामों के कारण
बाद में बुरा होगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

सुख–दुःख
कुछ और नहीं
हमारे ही खरीदे
कुछ खिलौने हैं,
खास बात यह है कि...
सुख–दुःख रूपी खिलौनों के साथ
हम नहीं खेलते ;
वो ही हमारे साथ खेलते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

विद्वान लोग
अच्छी तरह सोच-विचार कर ही
निर्णय लेते हैं,
क्योंकि
जैसे एक गलत मोड़
आपको मंजिल से भटका देता है ;
वैसे ही एक गलत निर्णय
आपके जीवन को भटका देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

आपको यश देनेवाले
कोई और नहीं
आपके ही अच्छे कृत्य हैं ,
करे हुये कृत्य तो
एक दिन मिट जाते हैं ;
मगर
यश कभी नहीं मिटता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

शब्दों को
पढ़ना–लिखना आसान है,
पर
शब्दों के भावों को पढ़ना
अत्यन्त कठिन है ;
और
जिसने भावों को पढ़ लिया
उसने जीवन को गढ़ लिया...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जैसे
कपड़ों पर लगा मैल
धोने से साफ हो जाता है,
वैसे ही
इंसान पर लगा आलस्य का मैल
कष्टों के आने पर साफ हो जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

कष्टों में
साहस को गिरने न दें,
वरना
आप कभी उठ नहीं पायेंगे ;
कष्टों में साहस को बढ़ायें
ताकि फिर आप पर
कभी भी कष्ट ही न आयें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

महान लोग ही
लिये कार्य को पूर्ण करते हैं,
किसी भी कार्य को अधूरा छोड़ना
अधूरे लोगों की पहचान है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जिस कार्य को करने में
आपको शर्मिंदा होना पड़े,
ऐसे कार्य कभी न करें ;
क्योंकि
कार्य आनन्द के लिये किया जाता है
शर्मिंदा होने के लिये नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

नाम में क्या रखा है
नाम के पीछे
ज्यादा परेशान न हों;
गुलाब को
दूसरा नाम दे देने से
उसकी खुशबू खत्म नहीं हो जाती...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

थोड़ा समय लग सकता है
पर
जिसे समय की कद्र है,
उसकी कद्र
समय करता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

बिना समझ के
न कुछ करना,
न कुछ पढ़ना,
समझ आ जाये जिस दिन
तुम सिर्फ करना
दुनिया पढ़ेगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

हमें सफल होने के लिये
खास वक्त का इंतज़ार
नहीं करना चाहिये,
हमें तो
अपने हर वक्त को
खास बनाने का
पुरुषार्थ करना चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

ज़िंदगी की उलझनें
हमारी चंचलता को
कम कर देती हैं,
और लोग समझते हैं
हम समझदार हो गये हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

रात नहीं
सपने बदलते जाते हैं,
जुनून को कभी
ठंडा मत होने देना,
सपनों को तरह
समय भी बदलते नज़र आयेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

ऐसी बीन ढूँढ़ रहा हूँ यारों,
जिससे
आसतीन के साँप भाग सकूँ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

जब कहता था
लोग समझते न थे,
अब खामोश हो गया हूँ
लोग समझने लगे मुझे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

दूसरों को
समझाने का हक
तो हमें है,
मगर
किसी को सुधारने का हक
हमें नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
जीत

वक्त के सिकंजे से बचकर
कौन कहाँ गया है ?
मिट्टी से पूछिये
सिकंदर कहाँ गया है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर